

1

अर्थात् 2 घंटे

53201

पूर्णांक 900

प्रश्न 1.

(क) प्रस्तुत पंक्तियाँ परशुराम की प्रागक्ष्मा में काविका 'हिम्मान की शैली' से ली गयी हैं। इसके काविक रामधारी सिंह दिनकर हैं।

प्रस्तुत पंक्तियाँ परशुराम की प्रागक्ष्मा में काविका लोहे के मर्द से ली गयी हैं। इसके काविक रामधारी सिंह दिनकर हैं।

(ख) प्रस्तुत पंक्तियाँ मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य में बिहारी के दोहे से ली गयी हैं। इसके काविक बिहारी हैं।

अथवा
प्रस्तुत पंक्तियाँ 'नदी उतार साधुन काविक से ली गयी हैं। इसके काविक ज्ञानेन्द्रपीठ हैं।

अथवा
(ग) प्रस्तुत पंक्तियाँ 'अबकी अवार लौटा लौ' काविका से ली गयी हैं। इसके काविक कुंवर नरामण जी हैं।

अथवा
प्रस्तुत पंक्तियाँ 'क्या वह नहीं होगा' से काविका से ली गयी हैं। इसके काविक कुंवर नरामण जी हैं।

प्रश्न 2.

(1) परशुराम की प्रागक्ष्मा के काविक रामधारी सिंह दिनकर हैं।

(2) लकली (3) 1 नवम्बर 1962 है (4) कौसल्या

(5) ज्ञानेन्द्रपीठ (6) जहाँ-यात्राम दत्ता जन्मे से पहले सुबान्ध की पीड़ा से धरपटा रहा है।

(7) जब वह सबके हिलारिण की सोचिगा

(8) मूर्खताओं के गुलाम

(9) उरु

(10) अकालापन

